देशबन्धु
Influencing Public Opinion Since 1959
24 Jul 2023 - Page 15

तीन दिन के मूल्यांकन के बाद नैक टीम वापस लौटी

रायपुर, 23 जुलाई (देशबन्धु)। पं रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में नैक ग्रेड के लिए आई नैक टीम तीन दिन तक मूल्यांकन करके अपनी रिपोर्ट फाइल कर वापस लौट गई। अंतिम दिन टीम के सदस्यों ने सुबह ज्ञान सरोवर देखकर वहां पर पौधारोपण में हिस्सा लिया। इसके बाद छात्रावास अध्ययनशालाओं में जाकर उनकी उपलब्धियों का मूल्यांकन किया। अधिकारियों ने बताया कि नैक टीम का रिस्पांस पाजिटिव समझ में आया है।

विश्वविद्यालय प्रबंधन इस बार ए प्लस ग्रेडिंग की उम्मीद कर रहा है। तीन दिन तक टीम ने अपने मापदंडों के आधार पर मूल्यांकन किया। नैक टीम के सदस्यों ने प्राध्यापक, कर्मचारी,छात्र, अभिभावक, भूतपूर्व छात्र सभी से मिलकर उनका भी फीडबैक लिया है। छात्रों से मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी जुटाई थी। विश्वविद्यालय में कर्मचारियों की कमी है। इसी से नुकसान होने की आशंका है। शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए पर्याप्त नियमित स्टाफहोना चाहिए जो विश्वविद्यालय के पास नहीं है। इसके अलावा शोध के क्षेत्र में भी विश्वविद्यालय पीछे है। हाल ही में विश्वविद्यालय प्रबंधन को शोध के लिए 10 करोड़ रुपये की ग्रांट मिली है लेकिन इस ग्रांट को मूल्यांकन में शामिल नहीं किया गया है। इस आधार पर पांच साल में सिर्फ शोध के लिए विश्वविद्यालय को पांच करोड़ रुपये ही मिले हैं। इसके अलावा नैक टीम ने विश्वविद्यालय के इंफ्रास्ट्रक्चर को बहुत अच्छा बताया है।

पूरक परीक्षा के लिए आनलाइन आवेदन शुरू

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की ओर पूरक परीक्षाओं के लिए 15 जुलाई से आनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बीएए बीएससी बीकाम, बीसीए,बीपीई जैसे पाठ्यक्रमों में पूरक आए छात्र.छात्राएं 31 जुलाई तक सामान्य शुल्क के साथ आवेदन कर सकते हैं। एक से छह अगस्त तक 100 रुपये विलंब शुल्क के साथ आनलाइन आवेदन किए जा सकते हैं।

छह साल बाद नैक टीम ने किया मूल्यांकन

पं रविशंकर विश्वविद्यालय का छह साल पहले 2016 में नैक मूल्यांकन हुआ था। उस समय विश्वविद्यालय को ए ग्रेड मिला था। विश्वविद्यालय की नैक ग्रेड 2020 में खत्म हो गया था लेकिन कोरोना के कारण नैक मूल्यांकन नहीं हो पाया था। वर्तमान में विश्वविद्यालय के पास कोई भी ग्रेड नहीं है। विश्वविद्यालय को कौन.सा ग्रेड मिलेगा इसका निर्णय अगस्त में हो जाएगा। अच्छी नैक ग्रेडिंग के लिए विश्वविद्यालय प्रबंधन पिछले कई महीनों से तैयारियां कर रहा था। अपनी तैयारियों को परखने के लिए दो बार माकड्रिल भी करवाया था। नैक की सर्वश्रेष्ठ ग्रेडिंग ए प्लस.प्लस हासिल करने वाला लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर को बुलाकर विश्वविद्यालय प्रबंधन ने अपनी तैयारियों को परखा था। उनसे अच्छी ग्रेडिंग हासिल करने के लिए सुझाव भी लिए थे। उनके तरफ से मिले सुझावों के आधार पर ही अध्ययनशालाओं ने अपना प्रजेंटेशन तैयार किया था।